गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 169
दि. 18.10.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

गुजरात सरकार में हुआ कैबिनेट विस्तार: हर्ष संघवी बने डिप्टी सीएम, खिाबा समेत 26 विधायकों ने ली शपथ

गांधीनगरः (जीएनएस)। गुजरात में भूपेंद्र पटेल सरकार का आज कैबिनेट विस्तार हो रहा है. मंत्रिमंडल विस्तार कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए हैं. साल 2027 में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव को देखते हुए तैयारी की जा रही है. जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखने की बात कही गई है. पार्टी के एक सीनियर नेता ने बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं, तथा वर्तमान मंत्रियों में से लगभग आधे को बदला जा सकता है. वर्तमान गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री हैं. आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री हैं.

गुजरात कैबिनेट में सीएम व मंत्रियों को विभाग बांटे गए

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को नए मंत्रिमंडल का विस्तार किया. राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राजभवन में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई. इस बार खास बात ये रही कि हर्ष सांघवी को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया. महत्वपूर्ण बात ये रही कि सभी नए मंत्रियों ने भगवद गीता हाथ में लेकर शपथ ली. इस मंत्रिमंडल में कुल 26 सदस्य हैं. इनमें से सात पटेल, आठ पिछड़ी जाति, तीन अनुसूचित जाति और चार अनुसूचित जनजाति के सदस्य शामिल हैं. मंत्रिमंडल में तीन महिलाओं को भी जगह मिली है. इसके साथ ही शाम को मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों को विभाग की जिम्मेदारी सौंप दी गई. इसमें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के पास सामान्य प्रशासन, प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण तथा अन्य विभाग रहेंगे. वहीं उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को गृह, पुलिस आवास, जेल, सीमा सुरक्षा, ग्राम रक्षक दल, नागरिक सुरक्षा, मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क, परिवहन, विधि एवं न्याय, खेल एवं युवा सेवाएं तथा अन्य विभाग मिलेंगे. जबकि मंत्री ऋषिकेश पटेल - ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल्स एवं संसदीय कार्य, जीतू वघानी - कृषि, पशुपालन एवं गोपालन, कुंवरजी बावलिया - श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार, ग्रामीण विकास, कनु देसाई - वित्त, कैबिनेट स्तर के शहरी विकास मंत्री. नरेश पटेल - आदिवासी विकास, खादी, कुटीर उद्योग एवं ग्रामीण उद्योग, अर्जुन मोढवाडिया - वन एवं पर्यावरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डॉ. प्रद्युम्न वाजा - प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, रमन सोलंकी - खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, ईश्वर पटेल - शहरी विकास, प्रफुल पंसेरिया - स्वास्थ्य विभाग, मनीषा वकील - महिला एवं बाल विकास (स्वतंत्र प्रभार), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता (राज्य मंत्री), परसोत्तम सोलंकी - मत्स्य पालन, कांतिलाल अमृतिया - श्रम एवं रोजगार, रमेश कटारा - कृषि एवं किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन एवं गौ प्रजनन, दर्शन वाघेला - नगरीय विकास एवं आवास, कौशिक वेकारिया - विधि एवं न्याय, ऊर्जा एवं पेट्रोरसायन, विधायी एवं संसदीय कार्य, प्रवीण माली - वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, परिवहन, जयराम गामित - खेल एवं युवा सेवाएं, सांस्कृतिक गतिविधियां, स्वयंसेवी संगठनों का समन्वय, उद्योग, नमक उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, पर्यटन एवं तीर्थयात्रा विकास, नागरिक उड्डयन इसके अलावा त्रिकम छंगा - उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, कमलेश पटेल - वित्त, पुलिस आवास, जेल, सीमा सुरक्षा, गृह रक्षक, ग्राम रक्षक, नागरिक सुरक्षा, निषेध एवं उत्पाद शुल्क, संजयसिंह महिदा - राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पंचायत एवं ग्रामीण आवास, ग्रामीण विकास, पी.सी. बरंडा - आदिवासी विकास, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, स्वरूपजी ठाकोर - खादी एवं ग्रामोद्योग, रिवाबा जडेजा - प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय की प्रमुख पहलों की जानकारी दी गई

भारत की विशाल सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपदा का लाभ उठाने के लिए गंतव्य-विशिष्ट पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने संग्रहालय और धरोहर प्रबंधन में अंतरराष्ट्रीय सहयोग व वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने पर जोर दिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह और श्री सुरेश गोपी के साथ आज संसद भवन में भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।

बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति को पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय के कामकाज, उपलब्धियों, प्रमुख पहलों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

उपराष्ट्रपति को पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के केंद्रित प्रयासों से अवगत कराया गया। उपराष्ट्रपति ने मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की और भारत की पर्यटन क्षमता को मजबूत करने के लिए आगे के उपाय सुझाए। उन्होंने चिकित्सा पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करते हुए गंतव्य-विशेष पर्यटन विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय टूर ऑपरेटरों के साथ सहयोग करने, संस्कृति, त्योहार और स्थान-विशिष्ट पर्यटन योजनाओं का आयोजन करने और विश्व स्तरीय पर्यटक अनुभव बनाने के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के बल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की

श्रीमती सीतारमण ने नए ग्रामीण भारत की उभरती मांग को पूरा करने के लिए ग्रामीण बैंकों द्वारा कृषि ऋण वितरण बढ़ाने पर बल दिया

ग्रामीण बैंकों को किसान उत्पादक संगठनों की सुविधा और मांग के अनुसार अपने उत्पादों और सेवाओं को उन्नत करना चाहिए: केंद्रीय वित्त मंत्री

(जीएनएस)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 16 अक्टूबर 2025 को कर्नाटक के बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सचिव (डीएफएस) श्री एम नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी केवी, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा के दौरान, वित्त मंत्री ने ऋण वितरण वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के अंतर्गत प्रदर्शन और केएजीबी की सरकार की प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। उन्होंने केएजीबी को अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए, जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी।

श्रीमती सीतारमण ने सभी हितधारकों को क्षेत्र में संबद्ध कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और संबद्ध क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से खपत में वृद्धि के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में नए अवसर खुले हैं, जो बैंकों द्वारा अधिक वित्तपोषण का संकेत है। श्रीमती सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ एफपीओ की पूंजीगत जरूरतें विकास वित्तीय संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। कार्यशील पूंजी की जरूरतें बैंकों द्वारा पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण बैंकों को किसान उत्पादक संगठनों की सुविधा और मांग के अनुसार अपने उत्पादों और सेवाओं को उन्नत करना चाहिए। इससे बैंक और एफपीओ, पारस्परिक लाभ और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए अपने संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे।

डाक विभाग ने पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों के लिए दवा वितरण सेवा शुरू की

डाक विभाग (डीओपी) ने भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू) के सहयोग से एक समर्पित सेवा शुरू की है, जिसका उद्देश्य पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के अंतर्गत आने वाले उन लाभार्थियों के लिए दवाओं के उठाव, बुकिंग, परिवहन और घर-घर वितरण की सुविधा प्रदान करना है, जिन्हें ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में उपलब्ध नहीं कराया जा सकता।

इस पहल के तहत दवाएं ईसीएचएस पॉलीक्लिनिकों में स्थित जन सेवा केंद्र के ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) द्वारा प्राप्त और पैक की जाएगी, जबकि इनकी रसद व्यवस्था और वितरण का कार्यभार भारतीय डाक के विश्वसनीय वितरण नेटवर्क द्वारा संभाला जाएगा।

श्रीलंका की पीएम ने पीएम मोदी से मुलाकात की

(जीएनएस)।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि उनकी यात्रा से भारत-श्रीलंका के ऐतिहासिक और बहुआयामी संबंधों को नई गति मिलेगी।

श्री मोदी ने इस वर्ष अप्रैल में श्रीलंका की अपनी राजकीय यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका के साथ सहयोग के सभी क्षेत्रों पर उपयोगी चर्चा की थी।

दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार विकास सहयोग और दोनों देशों के मछुआरों के कल्याण सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

नीतीश के मंत्री के साथ बड़ा 'खेला', 1 मिनट की देरी से नॉमिनेशन करने पहुंचे, प्रशासन ने लौटाया, अब क्या होगा?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की नामांकन प्रक्रिया के दौरान शुक्रवार को नीतीश सरकार के मंत्री और जेडीयू विधायक जयंत राज के साथ बांका में बड़ा नाटकीय घटनाक्रम हुआ। मंत्री जी अपने अमरपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल करने बांका समाहरणालय पहुंचे, लेकिन केवल एक मिनट की देरी उन पर भारी पड़ गई।

निर्वाचन आयोग के सख्त नियमों के चलते, जिला प्रशासन ने उन्हें नामांकन कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं दी और उन्हें वापस लौटना पड़ा। मंत्री के समर्थकों में जहाँ मायूसी छा गई, वहीं जयंत राज ने नियम का सम्मान करते हुए शनिवार को दोबारा पर्चा भरने की बात कहकर एक संयमित रुख अपनाया है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की नामांकन प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के सख्त नियम एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। शुक्रवार को बांका जिले में एक ऐसा ही मामला सामने आया, जहाँ नीतीश सरकार के वर्तमान मंत्री और अमरपुर विधानसभा से जेडीयू विधायक जयंत राज को सिर्फ एक मिनट की देरी के कारण नामांकन से वंचित होना पड़ा।

बांका समाहरणालय में नामांकन पर्चा दाखिल करने पहुंचे जयंत राज, निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित निर्धारित समय से ठीक एक मिनट बाद पहुंचे। नियमों का हवाला देते हुए, जिला प्रशासन ने उन्हें नामांकन कक्ष में प्रवेश देने से साफ इनकार कर दिया, क्योंकि समय सीमा के बाद कोई भी पर्चा स्वीकार नहीं किया जा सकता।

मंत्री ने किया नियम का सम्मान

प्रशासन के इस कड़े रुख से जयंत राज के हजारों समर्थक सकते में आ गए। हालाँकि, मंत्री ने खुद इस स्थिति को बेहद संयमित ढंग से संभाला। जयंत राज ने जिला प्रशासन के नियम पालन की सराहना करते हुए कहा, 'निर्वाचन आयोग का नियम सर्वोपरि है। हम उसका पालन करते हैं।' उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि वह शनिवार को निर्धारित समय पर पुनः आकर अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। उनके इस संयमित रुख और नियम के प्रति सम्मान की राजनीतिक गलियारों में प्रशंसा हो रही है।

समर्थकों में छाई मायूसी

इस घटना के बाद बांका समाहरणालय के बाहर हजारों की संख्या में मौजूद समर्थकों के चेहरे पर मायूसी छा गई। जिस उत्साह और जोश के साथ वे अपने नेता के नामांकन के साक्षी बनने आए थे, वह केवल एक मिनट की देरी के कारण धूमिल हो गया।

टिकट बंटवारे पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने फोड़ा 'बम', लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी में टिकट बंटवारे को लेकर सिरफुटव्वल (आंतरिक कलह) का दौर शुरू हो गया है। पार्टी के दिग्गज नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और कटिहार से वर्तमान सांसद तारिक अनवर ने सार्वजनिक रूप से पार्टी नेतृत्व के फैसलों पर बड़ा सवाल उठाया है।

उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं कि जीतने वाले मजबूत उम्मीदवारों को नजरअंदाज किया गया है, जबकि पिछले चुनाव में बड़े अंतर से हार चुके प्रत्याशियों को फिर से मौका दिया गया है। तारिक अनवर के इस खुले विद्रोह ने कांग्रेस की आंतरिक राजनीति में भूचाल ला दिया है और हाईकमान पर मनमानी और अपारदर्शिता के आरोप लगने शुरू हो गए हैं।

कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सवाल उठाते हुए लिखा कि, 'पूर्व विधायक गजानंद शाही उर्फ. मुन्ना शाही पिछले विधानसभा चुनाव में मात्र ११३ मतों से पराजित हुए थे। इस बार उनकी टिकट काट दी गई है। वहीं, जो उम्मीदवार पिछले चुनाव में ३० हजार से अधिक मतों से हार चुके थे, उन्हें फिर से अवसर दिया गया है।'

बता दें कि, टिकट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में बवाल मचा हुआ है। पटना एयरपोर्ट पर बुधवार (15 अक्तूबर) को कांग्रेस के अंदरूनी कलह का भयंकर नजारा देखने को मिला था।

तारिक अनवर ने क्या कहा?

सम्पादकीय

गठबंधनों में मचा घमासान

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों प्रमुख गठबंधनों में मचा घमासान रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। प्रथम चरण के नामांकन भरने की आखिरी तारीख (17 अक्टूबर) करीब आ जाने के बावजूद भी दोनों गठबंधनों में संग्राम जारी है। गठबंधन की राजनीति में सहयोगी दलों के बीच रूठना-मनाना आम बात है। खासकर जब चुनाव सिर पर हो तो दबाव की राजनीति अपनी चर्म पर होती है। दोनों ही गठबंधनों एनडीए और महागठबंधन में असंतोष चर्म सीमा पर है। पहले बात करते हैं महागठबंधन की। यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में मतभेद हैं। तभी तो नामांकन की अंतिम तिथि में जाकर सीट बंटवारे की घोषणा फाइनल हो सकी। दरअसल कांग्रेस यह साबित करना चाहती है कि गठबंधन में सीनियर पार्टनर है क्योंकि वह देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है जबकि राजद एक क्षेत्रीय दल है और उसे उसी हिसाब से सीटों का बंटवारा करना चाहिए। दूसरी ओर तेजस्वी यादव का मानना है कि उनकी पार्टी बिहार में कांग्रेस से कहीं बड़ा जनाधार रखती है इसलिए उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि दोनों के बीच सही मायनों में मतभेद मिट गए हैं और दोनों अपने इस इरादे पर पक्के हैं कि एनडीए को इस बार हराना है। वहीं अगर एनडीए की बात करें तो यहां कई मसले हैं।

नीतीश वुमार चाहते हैं कि वह बड़े भाई की भूमिका में चुनाव में जाएं, इसलिए उन्हें भाजपा से ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए थीं। वह यह भी चाहते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर एनडीए चुनाव में जाए। जबकि भाजपा का कहना है कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा यह चुनाव के बाद चुने विधायक करेंगे। एक पेंच तो यह पंसा हुआ है। दूसरा पेच चिराग पासवान को लेकर पंसा हुआ है। नीतीश चिराग को एक आंख नहीं भाते।

वह चाहते थे कि चिराग को 15 सीटें मिलें, जबकि भाजपा हाईकमान ने उन्हें 29 सीटें दे दीं। इन 29 सीटों में ऐसी भी कई सीटें शामिल हैं जहां जदयू का सिटिंग विधायक है। नतीजा यह हुआ कि जदयू ने चिराग की 7 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए। बता दें कि चिराग ने पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू को करारा झटका दिया था। तब उन्होंने जदयू कोटे की ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशी उतार तीन दर्जन सीटों का नुकसान पहुंचाया था। इस कारण जदयू राज्य में तीसरे नंबर की पार्टी बन कर रह गई थी। कहा जा रहा है कि इस बार चिराग के कोटे की सीटों पर उम्मीदवार उतार नीतीश पुराना हिसाब चुकता कर रहे हैं। उपेन्द्र वुशवाहा और जीतन राम मांझी को 6-6 सीटें दी गई हैं। दोनों ही नाराज चल रहे हैं। भाजपा आलाकमान के दबाव में अब वह कह तो रह हैं कि सब ठीक है पर अंदर खाते आग सुलग रही है और चुनाव में एनडीए एक बंटा हुआ गठबंधन नजर आ सकता है। एक बात फिर से यह तो साबित हो गई कि आज भी बिहार में नीतीश वुमार एक महत्वपूर्ण पैक्टर हैं और उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। यह सही है कि पिछले वुछ समय से नीतीश की सेहत पर सवाल उठते रहे हैं और वह ज्यादा सव्रिय भी नहीं दिखे। पर पिछले तीन-चार दिनों में नीतीश अपने पुराने रंग में दिखाई दिए। जिस तरीके से उन्होंने अपनी पार्टी को संभालने के लिए सख्त कदम उठाए हैं उससे साफ है कि वह यह मानते हैं कि भाजपा उन्हें अगला मुख्यमंत्री नहीं बनाने वाली हैं। उन्हें यह भी समझ आ गया है कि उनके तीनों वरिष्ठ साथी अंदर खाते भाजपा समर्थक हैं और उनके इरादे पर पार्टी को अंदर से तोड़ना चाहते हैं। इसी वजह से नीतीश ने अब कई शर्ते भाजपा के सामने रखी हैं। देखना होगा कि उन्हें भाजपा मानती है या नहीं? उधर भाजपा तहे दिल से चाहती है कि पहला कि वह बिहार विधानसभा चुनाव हर हाल में जीते और बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का हो। अब असल खेला शुरू होने वाला है।

गुजरात : राज्य मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों का परिचय

कैबिनेट मंत्री:

1. श्री जितेन्द्रभाई सवजीभाई वाघाणी

सीट नंबर : 105, निर्वाचन क्षेत्र : भावनगर (पश्चिम) (भावनगर शहर)

जन्म : 28 जुलाई, 1970, वरतेज

व्यवसाय : कृषि और निर्माण

संसदीय करियर : 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। 14वीं गुजरात विधानसभा के दौरान 16 सितंबर 2021 से 09 दिसंबर 2022 तक प्राथमिक, माध्यमिक और प्रौढ़, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री के रूप में सेवाएं दीं। इसके अलावा, 15वीं विधानसभा के सदस्य के रूप में गुजरात विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के रूप में 20 अप्रैल 2023 से कार्यरत हैं।

शौक : पठन, समाज सेवा, लोक साहित्य, खेल और यात्रा

2. श्री नरेशभाई मगनभाई पटेल

सीट नंबर : 176, निर्वाचन क्षेत्र : गणदेवी (अ.ज.जा.) (जिला- नवसारी)

जन्म : 1 जून, 1969, मोगरावाड़ी, नवसारी

व्यवसाय : कृषि और व्यापार

संसदीय करियर : 12वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। 14वीं गुजरात विधानसभा में आदिजाति विकास और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और ग्राहक सुरक्षा विभाग के मंत्री के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन, लेखन, संगीत और क्रिकेट

3. श्री अर्जुनभाई देवाभाई मोढवाडिया

सीट नंबर : 83, निर्वाचन क्षेत्र : पोरबंदर (जिला- पोरबंदर)

जन्म : 17 फरवरी, 1957, मोढवाडा, पोरबंदर

व्यवसाय : सामाजिक गतिविधियां और कृषि

संसदीय करियर : 11वीं और 12वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा, उन्होंने अगस्त-सितंबर, 2003 के दौरान श्रीलंका में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के एशिया क्षेत्र की दूसरी कॉन्फ्रेंस में गुजरात के प्रतिनिधि के रूप में हिस्सा लिया।

शौक : पठन, टेनिस, वृक्षारोपण, युवा गतिविधियां और व्यसन निर्मूलन

4. डॉ. प्रद्युमन गनुभाई वाजा

सीट नंबर : 92, निर्वाचन क्षेत्र : कोडिनार (अ.जा.) (जिला- गिर-सोमनाथ)

जन्म : 18 अगस्त, 1969, कुतियाणा

व्यवसाय : डॉक्टर

संसदीय करियर : 12वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे।

गतिविधियां : ट्रस्टी, नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन

शौक : पठन, यात्रा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां

5. श्री रमणभाई भीखाभाई सोलंकी

सीट नंबर : 109, निर्वाचन क्षेत्र : बोरसद (जिला- आणंद)

जन्म : 28 अप्रैल, 1965, वटादरा, तहसील-खंभात

व्यवसाय : सेवानिवृत्त शिक्षक, कृषि

संसदीय करियर : 15वीं गुजरात विधानसभा में उप मुख्य सचेतक के रूप में 12 दिसंबर, 2022 से कार्यरत रहे

गतिविधियां : वर्ष 2005 से 2010 के दौरान जिला पंचायत में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा, ठाकोर समाज के मंत्री के रूप में भी सेवाएं दीं।

शौक : पठन

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) :

6. श्री ईश्वरसिंह ठाकोरभाई पटेल

सीट नंबर : 154, निर्वाचन क्षेत्र : अंकलेश्वर (जिला- भरूच)

जन्म : 25 जून, 1965, मु.पो. कुडादरा, तहसील-हांसोट, भरूच

व्यवसाय : कृषि

संसदीय करियर : 11वीं, 12वीं, 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। वे सहकारिता, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग में 2 मार्च, 2009 से 1 फरवरी, 2011 के दौरान संसदीय सचिव रहे। इसके अलावा, उन्होंने 2 फरवरी, 2011 से 25 दिसंबर, 2012 के दौरान सहकारिता, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग के राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दी हैं। उन्होंने 7 अगस्त, 2016 से 25 दिसंबर, 2017 के दौरान सहकारिता विभाग का स्वतंत्र प्रभार संभाला है तथा दिसंबर, 2017 से सितंबर, 2021 के दौरान सहकारिता, खेल, युवा सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग का स्वतंत्र प्रभार और परिवहन विभाग के राज्य मंत्री के रूप में सेवादायित्व संभाला। उन्होंने विधानसभा की सार्वजनिक उपक्रम समिति, पंचायती राज समिति और आश्वासन समिति के सदस्य और अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

शौक : पठन, व्यायाम, यात्रा, खेल, समाज सेवा और वृक्षारोपण

7. डॉ. मनीषा राजीवभाई वकील

सीट नंबर : 141, निर्वाचन क्षेत्र : वडोदरा (अ.जा.) (वडोदरा शहर)

जन्म : 25 मार्च, 1975, वडोदरा

व्यवसाय : सुपरवाइजर और शिक्षक, ब्राइट डे स्कूल

संसदीय करियर : 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहीं। उन्होंने सितंबर-2021 से दिसंबर-2022 के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं।

शौक : पठन

राज्य मंत्री :

8. श्री कांतिलाल शिवलाल अमृतिया

सीट नंबर : 65, निर्वाचन क्षेत्र : मोरबी (जिला- मोरबी)

जन्म : 8 मार्च, 1962, जेतपुर, तहसील और जिला- मोरबी

व्यवसाय : कृषि, उद्योग और शिक्षा

संसदीय करियर : 9वीं, 10वीं, 11वीं, 12वीं और 13वीं गुजरात विधानसभा के सदस्य के रूप में कार्यरत रहे।

शौक : पठन, समाज सेवा, यात्रा, खेल, क्रिकेट, टेनिस और तैराकी

9. श्री रमेशभाई भूराभाई कटारा

सीट नंबर : 129, निर्वाचन क्षेत्र : फतेपुरा (अ.ज.जा.) (जिला- दाहोद)

जन्म : 4 मई, 1975, हिंगला

व्यवसाय : कृषि

संसदीय करियर : 13वीं और 14वीं गुजरात विधानसभा में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा, उन्होंने सितंबर-2021 से दिसंबर-2022 के दौरान विधानसभा के उप मुख्य सचेतक के रूप में भी सेवाएं दी हैं।

गतिविधियां : सदस्य, जिला पंचायत-दाहोद

शौक : पठन और समाज सेवा

10. श्रीमती दर्शनाबेन मुकेशभाई वाघेला

सीट नंबर : 56, निर्वाचन क्षेत्र : असारवा विधानसभा (अहमदाबाद शहर)

जन्म : 5 सितंबर, 1972, अहमदाबाद

व्यवसाय : पूर्व शाला आचार्य

गतिविधियां : अहमदाबाद महानगर पालिका में दो कार्यकाल तक पार्षद रहीं। इसके अलावा उन्होंने वर्ष 2010 से 2013 के दौरान अहमदाबाद महानगर पालिका में उप महापौर के रूप में सेवाएं दी हैं। वे सफाई कामदार निगम की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं और हाल में वाल्मीकि फाउंडेशन से जुड़ी हुई हैं।

शौक : पठन, वक्तव्य

11. श्री कौशिकभाई कांतिभाई वेकरिया

सीट नंबर : 95, निर्वाचन क्षेत्र : अमरेली विधानसभा (जिला- अमरेली)

जन्म : 9 जून 1986, मोजे खीचा, तहसील धारी, जि. अमरेली

व्यवसाय : कृषि, व्यवसाय (श्री द्रोणेश्वर पेट्रोलियम)

संसदीय कॅरियर : 15वीं गुजरात विधानसभा में मुख्य उप सचेतक के रूप में दि. 12 दिसंबर 2022 से कार्यरत थे।

गतिविधियां : निदेशक, गुजरात स्टेट को-ऑपरेटिव हाउसिंग फाइनेंस बोर्ड, दि. 29/03/2016 से कार्यरत। पूर्व निदेशक, खेतीबाड़ी उत्पाद बाजार समिति, अमरेली

शौक : राजपुरुषों की जीवनगाथा तथा विश्व के राजनीतिक इतिहास का पठन, सामाजिक गतिविधियां, जनसंपर्क, यात्रा-पर्यटन, सिंह दर्शन

12. श्री प्रवीणकुमार गोरधनजी माली

सीट नंबर : 13, निर्वाचन क्षेत्र : डीसा (जिला- बनासकांठा)

जन्म : 8 मार्च 1985, डीसा

व्यवसाय : कृषि एवं व्यापार

गतिविधियां : संयोजक, प्रदेश भाजपा प्रलेखन विभाग। ट्रस्टी, महात्मा ज्योतिबा फुले एजुकेशन ट्रस्ट, डीसा

शौक : पठन, साइकलिंग, वॉलीबॉल

13. डॉ. जयरामभाई चेमाभाई गामित

सीट नंबर : 172, निर्वाचन क्षेत्र : नीझर (अजजा) (जिला- तापी)

जन्म : 1 जून 1975, कटारावाण, तहसील- उच्छल (तापी)

व्यवसाय : कृषि एवं पशुपालन

गतिविधियां : अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, तापी जिला

शौक : लेखन, पठन, सांस्कृतिक कार्यक्रम

14. श्री त्रिकमभाई बीजलभाई छांगा

सीट नंबर : 4, निर्वाचन क्षेत्र : अंजार (जिला- कच्छ)

जन्म : 1 जून, 1962, रतनाल, अंजार, कच्छ

व्यवसाय : सेवानिवृत्त आचार्य

गतिविधियां : वर्ष 2000 से 2010 तक अंजार तहसील पंचायत के सदस्य के रूप में सेवाएं दीं और फिर 1010 से 2015 तक कच्छ जिला पंचायत सदस्य व अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन

15. श्री कमलेशभाई रमेशभाई पटेल

सीट नंबर : 113, निर्वाचन क्षेत्र : पेटलाद (जिला- आणंद)

जन्म : 12 अप्रैल 1970, संतोकपुरा, बोरसद

व्यवसाय : कृषि एवं नौकरी (आचार्य, शाहपुर हाईस्कूल)

गतिविधियां : उन्होंने पेटलाद तहसील भाजपा अध्यक्ष, चौद गाम केळवणी उत्तेजक ट्रस्ट के सचिव तथा पेटलाद एजुकेशन ट्रस्ट के सदस्य के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन एवं समाज सेवा

16. श्री संजयसिंह विजयसिंह महिडा

सीट नंबर : 118, निर्वाचन क्षेत्र : महुधा (जिला- खेड़ा)

जन्म : 20 अक्टूबर 1979, त्राणजा, मातर

व्यवसाय : कृषि एवं व्यापार

गतिविधियां : अध्यक्ष, नडियाद तहसील पंचायत। पूर्व अध्यक्ष-कारोबारी समिति-तहसील पंचायत, तहसील संगठन महासचिव (2020 तक), सचिव-महिडा मेलड़ी माताजी मंदिर सेवा समाज ट्रस्ट, पूर्व कोषाध्यक्ष-जिला युवा मोर्चा, शिवाजी फाउंडेशन में सेवा गतिविधियों में सक्रिय।

शौक : पठन तथा संगीत

17. श्री पूनमचंद धनाभाई बरंडा

सीट नंबर : 30, निर्वाचन क्षेत्र : भिलोडा (अ.ज.जा.) (जिला- अरवल्ली)

जन्म : 1 जून, 1959, वांकाटिंबा

व्यवसाय : कृषि

गतिविधियां : प्रदेश भाजपा आदिजाति मोर्चे के महासचिव के रूप में सेवाएं दीं।

शौक : पठन तथा खेल

18. श्री स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर

सीट नंबर : 7, निर्वाचन क्षेत्र : वाव (जिला- बनासकांठा)

जन्म : 1 जून, 1979, बैयक

व्यवसाय : कृषि, व्यापार

गतिविधियां : उपाध्यक्ष, गुजरात क्षत्रिय ठाकोर सेना

शौक : पठन

19. श्रीमती रीवाबा रवीन्द्रसिंह जाडेजा

सीट नंबर 78, निर्वाचन क्षेत्र : जामनगर (उत्तर) (जामनगर जिला)

जन्म : 5 सितंबर, 1990, राजकोट

व्यवसाय : समाज सेवा

गतिविधियां : संस्थापक व मैनेजिंग ट्रस्टी, मातृशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट। कन्या केळवणी, महिला सशक्तिकरण आदि से जुड़ी गतिविधियां तथा तत्संबंधी केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को समाज तक पहुँचाने के कार्य से जुड़ी हुई हैं।

शौक : पठन, यात्रा-पर्यटन तथा समाज सेवा

कलर्स के शो 'धमाल विथ पति पत्नी और पंगा - जोडियों का रिएलिटी चेक' में एक इमोशनल हेयर डोनेशन पल के बाद सोनीली बेंद्रे और हिना खान भावुक होकर रो पड़ीं

जो शुरूआत में एक मस्तीभरी दिवाली सेलिब्रेशन थी, वह कलर्स के 'धमाल विथ पति पत्नी और पंगा' पर सीजन के सबसे भावनात्मक पलों में से एक बन गई। इस फेस्टिव स्पेशल एपिसोड में मलाइका शेरावत ने 'ट्रुथ एंड डेयर' चैलेंज का परिचय कराया, जो मजेदार खुलासों और अनोखे टास्क से भरा हुआ था। लेकिन आगे जो हुआ, उसने सभी की आंखों में आंसू ला दिए और दिवाली के असली मायने झ करुणा और इंसानियत झ की याद दिला दी। जब रूबीना दिलैक की बारी आई, तो उन्हें एक डेयर दिया गया झ किसी को राजी करना कि वे अपने बाल कटवाने दें। जो शुरूआत में असंभव सा लग रहा था, वह जल्द ही दया और उदारता के एक भावुक पल में बदल गया। कुछ हिचकिचाहट भरी बातचीतों के बाद, रूबीना को दर्शकों में से एक महिला मिली जो न केवल बाल कटवाने के लिए तैयार हुई, बल्कि उन्होंने कहा कि वे अपने बाल कैंसर पीड़ितों को दान करना चाहती हैं।

यह सुनते ही सेट का माहौल बदल गया। चारों ओर सन्नाटा छा गया जब रूबीना ने भावनाओं से भरी आंखों के साथ कांपते हाथों में कैंची ली और ईश्वर का नाम लेकर पहला बाल काटा। यह निस्वार्थ भाव से किया गया कार्य सोनाली बेंद्रे और हिना खान के दिल को गहराई से छू गया — दोनों ने ही कैंसर से बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। वे भली-भांति जानती हैं कि कीमोथेरपी के बाद बाल झड़ने से आत्मविश्वास पर क्या असर पड़ता है, और किसी के लिए अपने बाल दान करना कितना बड़ा हौसले का काम है। भावनाओं से अभिभूत होकर हिना और सोनाली ने उस महिला को गले लगाया और उसकी हिम्मत व दयालुता की जमकर सराहना की।

इस भावुक पल को देखने के बाद हिना खान ने कहा, 'मेरे लिए यह देखना बहुत भावनात्मक था क्योंकि मैं खुद अपने जीवन में इस दौर से गुजर चुकी हूं। उसने जो बाल दान किए, वह बहुत ही बहादुरी भरा कदम है। असली बालों की विग बहुत महंगी होती है, जिसे हर कैंसर पेशेंट नहीं खरीद सकता। आमतौर पर लोग सिंथेटिक विग पहनते हैं क्योंकि वे सस्ती होती हैं। उसने जो बाल दान किए हैं, वे किसी को ऐसी खुशी देंगे जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मेरे खुद के बाल भी बहुत छोटे हैं, और जब मैं शूट करती हूं तो विग पहनती हूं। असली बाल हर व्यक्ति के लिए आत्मविश्वास का प्रतीक होते हैं। जिस व्यक्ति के सिर पर ये बाल जाएंगे, वह बेहद खुश होगा। मैं उसे दिल से धन्यवाद देती हूं और दूसरों से भी अपील करती हूं कि जब भी मौका मिले, वे ऐसा कदम जरूर उठाएं।'

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है 'धमाल विथ पति पत्नी और पंगा झ जोडियों का रिएलिटी चेक', को-पॉवर्ड बाय शुगर फ्री ग्रीन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स, लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर और अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल। स्पेशल पार्टनर्सः कोलगेट और एचडीएफसी लाइफ। यह शो हर शनिवार और रविवार रात 9:00 बजे केवल कलर्स पर प्रसारित होता है।

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान नकदी, शराब और नशीले पदार्थों की आवाजाही पर अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बैठक की

(जीएनएस)।

निर्वाचन आयोग ने आज नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में चुनाव आसूचना संबंधी बहु-विभागीय समिति (एमडीसीईआई) की बैठक आयोजित की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को चुनावों के दौरान सक्रिय और निवारक कार्रवाई सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

यह बैठक चुनावों में नकदी और अन्य प्रलोभनों के प्रभावों से निपटने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

बैठक में सीबीडीटी, सीबीआईसी, ईडी, डीआरआई, सीईआईबी, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, आईबीए, एनसीबी, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एएआई, डाक विभाग सहित प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी (एसपीएनओ) और बिहार के सीईओ भी वर्चुअल रूप में शामिल हुए।

विभिन्न एजेंसियों ने आयोग को अपनी तैयारियों, प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए उपायों और प्रस्तावित कदमों के बारे में जानकारी दी। चुनावों को दूषित करने के लिए धन और अन्य प्रलोभनों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने से संबंधित विस्तृत विषयों पर जानकारी दी गई।

आयोग ने निर्देश दिया कि प्रभावी कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच आर्थिक अपराधों की खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान और सहयोग होना चाहिए।

आयोग ने राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर प्रवर्तन एजेंसियों में समन्वय पर बल दिया।

आयोग ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे निर्वाचन क्षेत्रों का मानचित्रण करें ताकि अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से तस्करी के सामान, ड्रग्स, शराब और नकदी (नकली मुद्रा सहित) की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके।

आयोग ने बिहार में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए 'शून्य सहनशीलता' की नीति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गुजरात : राज्य मंत्रिपरिषद के नए सदस्य - आवंटन

क्रम नाम पद

विषय आवंटन

1. श्री भूपेंद्र रजनीकांत पटेल मुख्यमंत्री सामान्य प्रशासन, प्रशासनिक सुधार, प्रशिक्षण एवं योजना, प्रवासी गुजराती प्रभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, सड़क एवं भवन तथा राजधानी योजना, नर्मदा एवं कल्पसर, खान एवं खनिज, बंदरगाह, सूचना एवं प्रसारण, सभी नीतिगत मामले तथा अन्य मंत्रियों को न आवंटित किए गए विषय

2. श्री हर्ष रमेशकुमार संघवी उप मुख्यमंत्री गृह एवं पुलिस आवास, जेल, नागरिक संरक्षण, गृह रक्षक बल तथा ग्राम रक्षक बल, सीमा सुरक्षा, नशाबंदी एवं आबकारी, परिवहन, विधि एवं न्याय प्रशासन, खेल-कूद, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, स्वैच्छिक संस्थाओं का समन्वय, उद्योग, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग, नमक उद्योग, मुद्रण कार्य एवं लेखन सामग्री, पर्यटन एवं यात्राधाम विकास, नागरिक उड्डयन

केबिनेट मंत्री

क्रम नाम पद

विषय आवंटन

3. श्री कनुभाई मोहनलाल देसाई मंत्री वित्त, शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण

4. श्री जीतूभाई सवजीभाई वाघाणी मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण, सहकारिता, पशुपालन, गौसंवर्धन, मत्स्योद्योग, प्रोटोकॉल

5. श्री ऋषिकेशभाई गणेशभाई पटेल मंत्री ऊर्जा एवं पेट्रोरसायन, पंचायत एवं ग्रामीण गृह निर्माण, वैधानिक एवं संसदीय मामले

6. श्री कुँवरजीभाई बावळिया मंत्री श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार, ग्रामीण विकास

7. श्री नरेशभाई मगनभाई पटेल मंत्री आदिजाति विकास, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग

8. श्री अर्जुनभाई देवाभाई मोढवाडिया मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

9. डॉ. प्रद्युमनभाई गुणाभाई वाजा मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा

10. श्री रमणभाई भीखाभाई सोलंकी मंत्री खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सुरक्षा से जुड़े मामले

राज्य मंत्री

क्रम नाम पद

विषय आवंटन

11. श्री ईश्वरसिंह ठाकोरभाई पटेल राज्य मंत्री जल संसाधन, जलापूर्ति (स्वतंत्र प्रभार)

12. प्रफुल्लभाई छगनभाई पानसेरिया राज्य मंत्री स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार), प्रोटोकॉल

13. डॉ. श्रीमती मनीषा राजीवभाई वकील राज्य मंत्री महिला एवं बाल कल्याण (स्वतंत्र प्रभार), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

14. श्री परषोत्तम ओधवजीभाई सोलंकी राज्य मंत्री मत्स्योद्योग

15. श्री कांतिलाल शिवलाल अमृतिया राज्य मंत्री श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार

16. श्री रमेशभाई भूराभाई कटारा राज्य मंत्री कृषि एवं किसान कल्याम, सहकारिता, पशुपालन, गौसंवर्धन

17. श्रीमती दर्शनाबेन मुकेशभाई वाघेला राज्य मंत्री शहरी विकास एवं शहरी गृह निर्माण

18. श्री कौशिकभाई कांतिभाई वेकरिया राज्य मंत्री विधि एवं न्याय प्रशासन, ऊर्जा एवं पेट्रोरसायन, वैधानिक एवं संसदीय मामले

19. श्री प्रवीणभाई गोरधनभाई माळी राज्य मंत्री वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, परिवहन

20. डॉ. जयरामभाई चेमाभाई गामित राज्य मंत्री खेल-कूद, युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, स्वैच्छिक संस्थाओं का समन्वय, उद्योग, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग, नमक उद्योग, मुद्रण कार्य एवं लेखन सामग्री, पर्यटन एवं यात्राधाम विकास, नागरिक उड्डयन

21. श्री त्रिकमभाई बीजलभाई छांगा राज्य मंत्री उच्च एवं तकनीकी शिक्षा

22. श्री कमलेशभाई रमेशभाई पटेल राज्य मंत्री वित्त, पुलिस आवास, जेल, नागरिक संरक्षण, गृह रक्षक बल एवं ग्राम रक्षक बल, सीमा सुरक्षा, नशाबंदी एवं आबकारी

23. श्री संजयसिंह विजयसिंह महिडा राज्य मंत्री राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पंचायत एवं ग्रामीण गृह निर्माण, ग्रामीण विकास

24. श्री पूनमचंद छनाभाई बरंडा राज्य मंत्री आदिजाति विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले

25. श्री स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर राज्य मंत्री खादी, कुटीर एवं ग्रामोद्योग

26. श्रीमती रीवाबा रवीन्द्रसिंह जाडेजा राज्य मंत्री प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्रौढ़ शिक्षा

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

गुजरात से औद्योगिक नमक की पहली रेल खेप कश्मीर पहुँची

कश्मीर घाटी में माल परिवहन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। 1,350 टन औद्योगिक नमक की पहली रेल खेप गुजरात के अहमदाबाद मंडल के खाराघोड़ा (KOD) स्टेशन से जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग (ANT) स्टेशन पर सफलतापूर्वक पहुँची है।

स्थानः खाराघोड़ा गुजरात के सुरेंद्रनगर ज़िले में स्थित एक प्रसिद्ध नमक उत्पादन क्षेत्र है, जो लिटिल रण ऑफ कच्छ की सीमा पर बसा हुआ है।

शुद्धताः खाराघोड़ा का नमक अपनी उच्च गुणवत्ता और शुद्धता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ उत्पादित कुछ

प्रकार के नमक में 98% से अधिक सोडियम क्लोराइड (NaCl) होता है। इस क्षेत्र की रिफाइनरियाँ औद्योगिक और खाद्य दोनों श्रेणियों का नमक तैयार करती हैं।

प्रयोगः इस खेप का उपयोग चमड़ा उद्योग, साबुन निर्माण तथा ईंट भट्ठों में किया जाएगा।

यह उपलब्धि कश्मीर में रेल नेटवर्क के माध्यम से गैर-पारंपरिक माल ढुलाई को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे परिवहन समय और लागत में कमी आने के साथ-साथ सड़क परिवहन पर निर्भरता भी घटेगी।

यह रेल रेक लगभग 2,000 किलोमीटर की दूरी तय कर खाराघोड़ा से अनंतनाग पहुँची।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा यात्रियों से जुड़ने के लिए 'अमृत संवाद' का आयोजन

बदलाव के लिए बातचीत, सेवा के लिए प्रतिबद्धता – जन संवाद से जन विकास

पहली तस्वीर में मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर अमृत संवाद के दौरान यात्रियों के साथ बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अमृत काल के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप और माननीय प्रधान मंत्री द्वारा व्यक्त पंच प्राण के मार्गदर्शक सिद्धांतों से प्रेरित होकर पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन के कॉनकोर्स एरिया में एक गतिशील "अमृत संवाद" का आयोजन किया गया। विशेष अभियान 5.0 के तहत आयोजित इस पहल का उद्देश्य सामूहिक भागीदारी के माध्यम से परिवर्तनकारी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए रेलवे अधिकारियों और यात्रियों के बीच सीधे जुड़ाव को बढ़ावा देना था।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने किया, जिन्होंने अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ एक खुले प्रश्नोत्तर सत्र में यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस संवाद में यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जन सुरक्षा, स्टेशन सुविधाओं, डिब्बों में सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ प्रीमियम स्लीपर लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत के बारे में प्रश्न पूछे और सुझाव साझा किए।

मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने प्रत्येक प्रश्न का ध्यानपूर्वक उत्तर दिया और यात्रियों को यात्री सुविधाओं में वृद्धि, सुरक्षा प्रणालियों को सुदृढ़ करने और आधुनिक, तकनीक-संचालित यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासों का आश्वासन दिया। उन्होंने यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने, ज़िम्मेदार यात्रा आदतें अपनाने और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सकारात्मक योगदान देकर रेलवे के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमृत संवाद पहल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन के बीच सहभागिता को सशक्त बनाते हुए ऐसा संवाद मंच तैयार करना है, जहां जनसुझावों को ठोस नीतिगत एवं विकासात्मक कार्यों में रूपांतरित किया जा सके। यह पहल अमृत काल और पंच प्राण के संकल्पों से प्रेरित होकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंबलियासन-वीजापुर रेलखंड में 120 किमी की स्पीड से ट्रेन का हुआ संचालन

42 किमी की दूरी 25 मिनट में की पूरी, औसत गति 101 किमी से अधिक की आई

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के आंबलियासनझवीजापुर रेलखंड (42.32 किमी) का गेज परिवर्तन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस रेलखंड का संरक्षा निरीक्षण रेलवे संरक्षा आयुक्त (उफ्र), वेस्टर्न सर्कल श्री ई. श्रीनिवास द्वारा 16 एवं 17 अक्टूबर, 2025 को किया गया। अंतिम संरक्षा स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा।

इस रेलखंड को मई 2022 में ₹415.37 करोड़ की लागत से मीटर गेज से ब्रॉड गेज में परिवर्तित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई थी। अब यह खंड यात्रियों के लिए आधुनिक, सुरक्षित एवं सुचारू रेल संचालन हेतु लगभग तैयार है। रेल सुरक्षा आयुक्त (पश्चिम सर्कल) द्वारा किया गया वैधानिक निरीक्षण कमीशनिंग से पहले एक आवश्यक कदम है। निरीक्षण टीम ने स्टेशन सुविधाओं, ट्रैक ज्योमेट्री, घुमाव, पुलों और रोड अंडर ब्रिज (RUBs) की विस्तृत जांच की। इसमें 02 मेजर ब्रिज, 51 माइनर ब्रिज और 45 नए रोड अंडर ब्रिज (फ्वइ२) शामिल हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे लाइन को लेवल क्रॉसिंग के समीप फेंसिंग द्वारा सुरक्षित किया गया है, तथा इस खंड पर कुल 04 लेवल क्रॉसिंग्स हैं।

17 अक्टूबर, 2025 को विभिन्न स्थानों पर विस्तृत निरीक्षण किया गया। कुकरवाडा से वीजापुर तक

लगभग 15 किमी का ट्रॉली निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात आंबलियासनझवीजापुर रेलखंड (42.32 किमी) पर 120 किमी/घंटे की स्पीड से गति परीक्षण किया गया। इस दौरान श्री ई. श्रीनिवास, रेल संरक्षा आयुक्त (CRS), पश्चिम रेलवे, श्री वेद प्रकाश मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद; श्री प्रदीप गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कुकरवाडा स्टेशन पर प्लेटफार्म की ऊँचाई, कॉपिंग और एंड पाथवे की जांच की गई। फ्वइ संख्या 65 इ में ऊँचाई, गेज और जल निकासी की व्यवस्था देखी गई, साथ ही MDD टेस्ट, बैंक स्लोप और सेस की चौड़ाई की भी जांच की गई।

इसी प्रकार, गेरिताझकोलवाड़ा में प्लेटफार्म की माप और एंड पाथवे की जाँच की गई। फ्वइ संख्या 79इ की ऊँचाई, गेज, जल निकासी और पैदल मार्ग की व्यवस्था देखी गई। विजापुर स्टेशन पर ट्रैक के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। प्लेटफार्म की कॉपिंग, ऊँचाई एंड पाथवे की जांच की गई। विजापुर स्टेशन में सबवे का निरीक्षण किया गया, साथ ही यात्रियों की सुविधाओं की भी जाँच की गई।

इस गेज परिवर्तन परियोजना से यात्रियों और क्षेत्र को कई लाभ प्राप्त होंगे। मालगाड़ियों का परिचालन सुनिश्चित होगा और इस खंड के चालू होने से विजापुर क्षेत्र से कॉटन, गेहूँ, आलू एवं टोबेको, तेल उत्पाद इत्यादि की आपूर्ति देशभर में अधिक सुगमता से हो सकेगी, जिससे व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति प्राप्त होगी। अभी तक सड़क मार्ग से परिवहन किया जाता था, वह अब रेल मार्ग से शीघ्र भेजा जा सकेगा। इससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ होगा तथा रेलवे के राजस्व में वृद्धि होगी।

यात्रियों को बेहतर और तेज रेल संपर्क उपलब्ध होगा, विशेष रूप से उत्तर गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में उन्नत संरचनाओं और आधुनिक सुरक्षा उपायों के साथ यात्रा अब अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होगी।

ऑपरेशन जीवन रक्षा : अपनी जान जोखिम में डालकर कांस्टेबल श्री रमेश जाधवने बचाई एक बच्चे की जान

वडोदरा मंडल के गोधरा के रेल सुरक्षा बल में कार्यरत कांस्टेबल श्री रमेश जाधव ने अत्यंत साहस, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए अपनी जान को जोखिम में डालकर असावधानीवश ट्रेन से गिरे एक 3 वर्षीय बालक की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की है।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दिनांक 16.10.2025 को ट्रेन नं 19038 बरौनी - बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस के कोच सं र5 में श्री संतोष यादव अपनी पत्नी एवं 03 वर्षीय पुत्र के साथ मुजफ्फरपुर से वापी यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान कानसुधीझगोधरा रेलखंड पर, ट्रेन के गोधरा यार्ड में प्रवेश से पहले, बालक अपनी माता के साथ शौचालय जाते समय असावधानीवश दरवाजे के पास से फिसलकर दूसरी रेल लाइन पर नीचे गिर गया।

श्री रमेश जाधव एवं यात्री परिवार

बालक के गिरते ही यात्रियों द्वारा तत्काल चेन खींचकर ट्रेन रोकी गई। उसी दौरान ड्यूटी पर तैनात गोधरा में कार्यरत कांस्टेबल श्री रमेश जाधव ने घटना स्थल पर बालक को देखा। उसी समय उस रेल लाइन पर ट्रेन नं 12951 मुंबई - नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस आ रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्री रमेश जाधव ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना अत्यंत साहस, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए तेज गति से लाइन पर दौड़ लगाई और आने वाली ट्रेन के पहले बालक तक पहुँचकर उसे सुरक्षित स्थान पर खींच लिया।

श्री रमेश जाधव ने बालक की तत्परता से जान बचाने के बाद उसे उसके परिवारजनों को सुपुर्द कर दिया। यात्री ने अपने पुत्र के शरीर पर कोई चोट ना आने की पुष्टि की तथा अपनी यात्रा जारी रखी।

घटना के पश्चात कोच में उपस्थित सभी यात्रियों एवं परिजनोंने कांस्टेबल श्री रमेश जाधव के साहसिक कार्य की प्रशंसा करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

पश्चिम रेलवे ऐसे कर्तव्यनिष्ठ रेलकर्मी पर गर्व करती है, जो लोगों के लिए मानवता की मिसाल हैं।

पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल मैदानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुंबई, 17 अक्टूबर, 2025

पश्चिम रेलवे के एथलीटों द्वारा शक्ति, कौशल और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन

पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रतियोगिताओं में कुश्ती और हॉकी में उल्लेखनीय प्रदर्शन करके अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिससे संगठन को गौरव और पहचान मिली है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने 7 से 9 अक्टूबर 2025 तक एनआरएसए, नई दिल्ली में आयोजित 66वीं पुरुष अखिल भारतीय अंतर-रेलवे कुश्ती (फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन) चैम्पियनशिप 2025 में चैम्पियनशिप का खिताब जीता। ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने 3 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक और 4 कांस्य पदक के

तस्वीर में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता; पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक एवं पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री वी. ए. मालेगांवकर तथा पश्चिम रेलवे के मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (कोचिंग) एवं पश्चिम रेलवे खेलकूद संघ के महासचिव श्री रजनीश कुमार तोमर, कुश्ती एवं हॉकी टीमों के पदक विजेता सदस्यों के साथ दिखाई दे रहे हैं।

साथ असाधारण पदक तालिका तैयार की।

फ्री स्टाइल कुश्ती स्पर्धा में पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4 रजत और 2 कांस्य पदक अपने नाम किए, जो संगठन में मौजूद प्रतिभाशाली खेल कौशल का प्रमाण है।

चीन के हांग्जो में आयोजित 2025 महिला हॉकी एशिया कप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाते हुए पश्चिम रेलवे की महिला हॉकी खिलाड़ी सुश्री नवनीत कौर और सुश्री मनीषा चौहान ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। नई दिल्ली में आयोजित 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में घरेलू स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को जारी रखते हुए सुश्री नवनीत कौर ने भारतीय रेल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

पश्चिम रेलवे सभी एथलीटों, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों को उनकी अटूट भावना, समर्पण और अनुकरणीय उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देती है, जो रेलवे समुदाय को निरंतर प्रेरित करती हैं। उनकी सफलता खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता का गौरवशाली प्रमाण है।

अहमदाबाद मंडल ने फेस्टिवल सीजन के दौरान व्यापक भीड़ प्रबंधन हेतु उठाये अहम कदम

यात्रियों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अहमदाबाद मंडल ने की व्यापक तैयारी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा आगामी दीवाली एवं छठ पूजा त्योहारों के दौरान यात्रियों की आवाजाही में अपेक्षित भारी वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, सुरक्षित, सुचारू और कुशल रेल संचालन सुनिश्चित करने हेतु व्यापक भीड़ प्रबंधन एवं यात्री सुविधा उपाय किए गए हैं। इसके अंतर्गत अहमदाबाद, असारवा, साबरमती एवं गांधीधाम स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। अहमदाबाद, असारवा और साबरमती स्टेशनों पर राउंड-द-क्लॉक (24x7) अधिकारियों की निगरानी में व्यापक प्रबंध किए गए है ताकि प्रत्येक स्थिति पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

अहमदाबाद स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु सरसपुर साइड 3230 वर्ग फूट तथा प्लेटफॉर्म नं. 01 की ओर 8072 वर्ग फूट के यात्री होल्डिंग क्षेत्र बनाए गए हैं, जिनमें बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, प्रकाश, पंखे, शौचालय एवं सार्वजनिक घोषणा प्रणाली जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

साबरमती स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु नवनिर्मित स्टेशन बिल्डिंग में टिकट काउंटर और 4-5 हजार यात्रियों के बैठने की सुविधा की गई है। प्रवेश एवं निकास द्वारों को पृथक रखा गया है ताकि यातायात प्रवाह सुचारू रहे। इसके अतिरिक्त, 15 से 28 अक्टूबर 2025 तक मेडिकल टीम की भी तैनाती की गई है, जिससे किसी आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध हो सके।

भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को सुविधा देने हेतु अतिरिक्त टिकट बुकिंग काउंटर शुरू किए गए हैं। कतार नियमन, यात्री सहायता एवं सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिकट जांच कर्मचारी एवं फ्ढ्ढक्रकर्मी भी लगाए गए हैं। प्रतीक्षारत यात्रियों के लिए स्टेशनों पर कवर्ड होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जिससे ट्रेन के प्रस्थान तक यात्री आराम से प्रतीक्षा कर सकें।

रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा ड्यूटी के दौरान वॉकी-टॉकी एवं बॉडी-वॉर्न कैमरा का उपयोग कर निर्बाध डिजिटल संचार बनाए रखा जा रहा है। इसके साथ ही सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे निगरानी की जा रही है। अहमदाबाद मंडल कार्यालय में 'वार रूम' (हं१ फ्ढ्ढड्ढे) स्थापित किया गया है, जहां से वास्तविक समय पर सभी स्टेशनों से समन्वय करते हुए स्थितियों की निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

यात्रियों के लाभ हेतु ये व्यवस्थाएं सुनिश्चित करती हैं कि त्योहारी सीजन में भी यात्रा सुरक्षित, आरामदायक और समयबद्ध बनी रहे। इन उपायों से यात्रियों को लंबी कतारों, अनावश्यक भीड़भाड़ और असुविधा से राहत मिलेगी, साथ ही स्टेशन परिसर में सुरक्षा और स्वच्छता का स्तर भी बेहतर रहेगा।

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे स्टेशन परिसर में निर्धारित होल्डिंग एरिया का उपयोग करें और सुरक्षा कर्मियों एवं रेलवे कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करें, ताकि सभी यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव सुखद और सुरक्षित बन सके।

'स्वच्छता पखवाड़ा - 2025' के अंतर्गत भावनगर मंडल में विविध कार्यक्रमों का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर 'स्वच्छता पखवाड़ा झ 2025' के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान का शुभारंभ 01 अक्टूबर 2025 को प्रभात फेरी एवं स्वच्छता शपथ के साथ हुआ। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में रेलकर्मी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के दिशा निर्देशों के अनुरूप एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इन्जीनियर श्री संतोष कुमार मिश्रा की देखरेख में चलाए गए अभियान के दौरान प्रत्येक दिन को एक विशिष्ट थीम के अंतर्गत मनाया गया, जिनमें प्रमुख रूप से — स्वच्छता शपथ दिवस, स्वच्छता जागरूकता दिवस, स्वच्छ भारत दिवस, स्वच्छ स्टेशन, स्वच्छ रेलगाड़ी, स्वच्छ ट्रैक, स्वच्छ परिसर, स्वच्छ कार्यस्थल, स्वच्छ आवासीय परिसर, स्वच्छ आहार, स्वच्छ पानी, स्वच्छ प्रसाधन, सिंगल यूज प्लास्टिक निषेध एवं स्वच्छता रैली शामिल थे।

महात्मा गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस (02 अक्टूबर 2025) के अवसर पर वृक्षारोपण, निरीक्षण एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (हफ्हहड) की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी वर्मा ने विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही, चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता 12 बच्चों एवं स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 12 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

'स्वच्छ रेलगाड़ी' थीम के अंतर्गत पोरबंदर, भावनगर एवं वेरावल कोचिंग डिपो में ट्रेनों की गहन यांत्रिक सफाई की गई। साथ ही, स्टेशनों पर यात्रियों के बीच स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। 'स्वच्छ आहार' दिवस के अवसर पर मंडल के चिकित्सा विभाग द्वारा भावनगर टर्मिनस, जूनागढ़, वेरावल, पोरबंदर, जेतलसर, बोटाद, सोनगढ़, धोला एवं धोलका स्टेशनों पर खाद्य स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। पेंट्री कार विक्रेताओं एवं स्टॉल संचालकों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वच्छ आहार के महत्व से अवगत कराया गया।

अभियान के दौरान मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाओं एवं कार्यालयों की संपूर्ण सफाई कर कर्मचारियों एवं यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई। 'स्वच्छ पटरी' कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों द्वारा रेलवे ट्रैकों की सफाई की गई।

इसके अतिरिक्त, 'वेस्ट टू आर्ट', श्रमदान, रैलियों एवं वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के माध्यम से रेलकर्मियों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। यात्रियों से स्वच्छता के संबंध में फीडबैक लिया गया तथा भविष्य की योजनाओं हेतु सुझाव आमंत्रित किए गए।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने 17 अक्टूबर, 2025 (शुक्रवार) को मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिती में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और 'स्वच्छता पखवाड़ा झ 2025' अभियान के अंतर्गत किये गये क्रियाकलापों की जानकारी दी एवं कहा कि भावनगर मंडल ने इस पखवाड़े को जन-अभियान का स्वरूप देते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया की 1 से 15 अक्टूबर तक चले इस अभियान के दौरान हमारे मंडल के 66 रेलवे स्टेशनों को कवर किया गया। लगभग 925 कर्मचारियों और नागरिकों ने स्वच्छता शपथ ली और 12400 वर्गमीटर क्षेत्र की सफाई की गई। 160 मीटर नालियों की सफाई, 9 स्थानों पर फ्यूमीगेशन, और 9 एंटी-लिटरिंग ड्राइव्स के माध्यम से हमने स्वच्छता को जन-जागरूकता से जोड़ा। 'स्वच्छ परिसर' के तहत 39 कार्यालयों की सफाई एवं सौंदर्यीकरण किया गया, जबकि 36 किलोमीटर ट्रैक की सफाई और 2.3 टन प्लास्टिक अपशिष्ट का निस्तारण हुआ। 'स्वच्छ नीर' अभियान में 15 जलस्थलों और 10 पानी के बूथों की सफाई एवं जल गुणवत्ता की जांच की गई। भावनगर मंडल के सभी स्टेशनों पर अब साफ-सुथरे प्लेटफॉर्म, सुधरी हुई जल व शौचालय सुविधाएँ, और स्वच्छ वातावरण यात्रियों को एक नया अनुभव दे रहे हैं।

भावनगर मंडल ने इस अवसर पर यह संकल्प लिया कि 'स्वच्छता ही सेवा' के आदर्शों को आत्मसात करते हुए रेलवे परिसरों को स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ बनाए रखने हेतु अपने प्रयास निरंतर जारी रखेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा ऊर्जा संरक्षण के बेहतर उपायों की पहल

मुंबई,

आज के दौर में जहाँ ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है, रेलवे द्वारा अपने नेटवर्क में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के बिजली विभाग द्वारा बिजली की खपत कम करने, परिचालन दक्षता में सुधार लाने और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाने के उद्देश्य से ऊर्जा-बचत पहल शुरू की गई है। ये प्रयास एक हरित भविष्य के निर्माण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्थिरता और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत पश्चिम रेलवे द्वारा कई प्रभावशाली ऊर्जा संरक्षण अभियान शुरू किए गए हैं। ये प्रयास भारतीय रेल की पर्यावरण संरक्षण और परिचालन दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

इस पहल के अंतर्गत, मुंबई सेंट्रल मंडल के स्टेशनों और सेवा

भवनों पर लगभग 12,500 ऊर्जा-कुशल ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (BLDC) पंखे लगाए गए हैं। बीएलडीसी पंखे पारंपरिक सीलिंग पंखों की अपेक्षा लगभग 40% कम बिजली का उपयोग करते हैं, साथ ही ये अधिक शांत, टिकाऊ और उच्च प्रदर्शन वाले होते हैं। इसके अलावा, मंडल द्वारा स्टेशनों, कार्यालयों और सेवा क्षेत्रों में 1,48,700 से अधिक एलईडी फिक्स्चर लगाकर ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था में पूर्ण परिवर्तन हासिल किया गया है। इस पहल से बिजली की खपत और रखरखाव की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है।

यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और ऊर्जा दक्षता बनाए रखने के लिए, दादर, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, भायंदर, सूरत, उधना, नंदुरबार और वापी सहित प्रमुख स्टेशनों पर 10 प्राकृतिक वाटर कूलर लगाए गए हैं। ये कूलर बिना कंप्रेसर के काम करते हैं और इनकी शीतलन क्षमता 45 लीटर प्रति घंटा है। ये 150 लीटर तक पानी संग्रहित कर सकते हैं। ये कूलर न्यूनतम ऊर्जा का उपयोग करते हुए 23त्उ से 27त्उ के बीच तापमान बनाए रखते हैं।

इसके अतिरिक्त, मुंबई सेंट्रल मंडल में एयर-कंडीशनिंग सिस्टम को और अधिक कुशलता से अनुकूलित करने के लिए 1,200 से ज्यादा ऑक्यूपेंसी सेंसर लगाए गए हैं। ये स्मार्ट सेंसर मानवीय उपस्थिति का पता लगाते हैं और स्वचालित रूप से एयर-कंडीशनिंग को समायोजित करते हैं, जिससे खाली कमरों में अनावश्यक ऊर्जा की खपत कम होती है।

इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से, पश्चिम रेलवे नवीन और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर एक मजबूत उदाहरण स्थापित कर रही है, जो एक हरित और अधिक ऊर्जा-कुशल भविष्य के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली की छात्रा गौसिया लम्बी कूद मे रही प्रथम रही

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली में चल रही 3 दिवसीय 73 जनपद स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन के परिणाम मे रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज मसौली की छात्रा गौसिया लम्बी कूद मे प्रथम रही।

दूसरे दिन की प्रतियोगिता मे लंबी कूद बालिका वर्ग मैं गौसिया रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज प्रथम नेशनल इंटर कॉलेज फतेहपुर की सलमा द्वितीय , जनता इंटर कॉलेज बदोसराय पुंजिला तृतीय स्थान पर रही।

गोला फेक अंडर-19 की प्रतियोगिता मे गौसिया रफी मेमोरियल प्रथम सब जूनियर गोला फेक निधि बरौली जाता प्रथम बालक गोला फेक सीनियर सूरज यूनियन इंटर कॉलेज प्रथम जूनियर अनुराग यादव यूनियन इंटर कॉलेज प्रथम सब जूनियर अंशु यूनियन इंटर कॉलेज प्रथम 200 मी सीनियर बालक विष्णु फतेहचंद जगदीश राय इंटर कॉलेज सफदरगंज प्रथम जूनियर विजय राज एलबीएस दरियाबाद प्रथम सब जूनियर राज एलबीएस दरियाबाद प्रथम अंडर-19 बालिका सौ मी अंशिका अजीमुद्दीन प्रथम जूनियर आरती देवी बीपी शुक्ला इंटर कॉलेज प्रथम बालिका सब जूनियर सब जूनियर कुमारी खतीजा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बाराबंकी प्रथम इस अवसर पर अनंत कुमार अस्थाना तोहिद हसन खान प्रदीप सिंह भूपेंद्र सिंह सुशील सिंह राजन सिंह अजय सिंह कामरान मलिक राजकुमार अनिल सरोज अनमोल तिवारी श्वेता उपाध्याय मनोरमा तथा आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय बहादुर उपस्थित रहे।

समेकित शिक्षा के इनवायरमेंट बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों की द्वितीय पैरेंटस काउंसिलिंग का कार्यक्रम आयोजित

(जीएनएस)।

मसौली, बाराबंकी। उच्च प्राथमिक विद्यालय रसौली में समेकित शिक्षा के इनवायरमेंट बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के उन्मुखीकरण के लिए अभिभावकों की द्वितीय पैरेंटस काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार गुप्ता ने किया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी जैनेंद्र कुमार ने अभिभावकों से कहा कि दिव्यांग बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजे। समावेशी शिक्षा के मॉडल को मजबूत बनाने के लिए दिव्यांग बालक जब सामान्य बालकों के साथ बैठकर पढ़ेंगे तो उन्हें बेहतर माहौल मिलेगा।उन्होंने कहा कि यदि आपका बच्चा पढ़ लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर अथवा किसी भी नौकरी में जाना चहेगा तो उसके लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था है।आईटी टीचर कमलेश कुमार ने पेरेंटस काउंसलिंग में दिव्यांग बच्चों के प्रमाण पत्र की उपयोगिता,लाभ,स्कॉट अलाउंस, सटाइपेंड मेजरमेंट कैंप मेडिकल एसेसमेंट कैंप आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की। स्पेशल एजुकेटर एकता सक्सेना के द्वारा बच्चों को दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की सुविधाओं व दिव्यांग बच्चों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण के बारे में अभिभावकों द्वारा चर्चा कर विचारों का आदान - प्रदान भी किया गया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापक सुधा शुक्ला, इबार्दुरहमान सहित अन्य शिक्षक एवं अभिभावक मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का दूरसंचार क्षेत्र नई ऊँचाइयों को छू रहा है:केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा - वर्ष 2024-2025 भारतीय दूरसंचार उद्योग के लिए सुधार, कनेक्टिविटी और वैश्विक मान्यता का वर्ष रहा है

भारत संचार निगम लिमिटेड को 18 वर्षों के बाद लाभ प्राप्त हुआ; स्वदेशी 4-जी स्टैक ने भारत को घरेलू दूरसंचार तकनीक वाला पाँचवाँ देश बनाया

भारत ने वैश्विक दूरसंचार सेवा को मजबूत किया: आईटीयू में अग्रणी, उपग्रह संचार का विस्तार और टियर-1 साइबर सुरक्षा रैंकिंग हासिल की

दूरसंचार विभाग ने एक वर्ष में नीतिगत सुधार, मजबूत ग्रामीण कनेक्टिविटी और आधुनिक दूरसंचार

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज दूरसंचार विभाग (डीओटी) और डाक विभाग (डीओपी) सहित संचार मंत्रालय की उपलब्धियों के बारे में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री के साथ इस अवसर पर संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, डाक विभाग की सचिव श्रीमती वंदिता कौल और दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत अब दूरसंचार क्षेत्र में किसी का अनुयायी नहीं रहा। उन्होंने कहा, "भारत अब सेवाओं और उत्पादों, दोनों ही दृष्टि से दूरसंचार क्षेत्र में अग्रणी बन गया है।"

उन्होंने कहा कि पूरे देश में ग्राहकों की संख्या और ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का कई गुना विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट कनेक्शनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और पिछले कुछ वर्षों में ब्रॉडबैंड कनेक्शनों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने बल देकर कहा, "जब हम पैमाने की बात करते हैं, तो कई गुणा वृद्धि के पैमाने के मामले में भारत का कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। अगर आप भारत को विशुद्ध रूप से एक डिजिटल राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत करें, तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल राष्ट्र होगा। इसलिए, 11 वर्ष पहले प्रधानमंत्री की एक अदृश्य डिजिटल राजमार्ग बनाने और उस डिजिटल राजमार्ग पर, कई अनुप्रयोगों को रहने और लिखने की क्षमता बनाने की दूरदर्शिता आज एक वास्तविकता बन गई है।"

केंद्रीय मंत्री ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के वित्तीय पुनरुद्धार को दूरसंचार विभाग की "सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों" में से एक बताया। 18 वर्षों के बाद, बीएसएनएल परिचालन स्तर पर लाभ में आ गई है, जिसने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपये और चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया। उन्होंने कहा, "बीएसएनएल का ईबीआईटीडीए तीन गुना बढ़कर 5,395 करोड़ रुपये हो गया है और इसका घाटा 5,400 करोड़ रुपये से घटकर 2,400 करोड़ रुपये ही रह गया है।"

इस गहन राष्ट्रीय परिवर्तन का नेतृत्व पूर्णतः स्वदेशी 4-जी स्टैक के सफल कार्यान्वयन द्वारा भी किया जा रहा है—यह एक बड़ी तकनीकी सफलता है जिसने भारत को उन विशिष्ट देशों के समूह में शामिल कर दिया है जो अपनी स्वयं की संपूर्ण दूरसंचार तकनीक विकसित करने में सक्षम हैं।

सरकार के "100 प्रतिशत दूरसंचार संपन्नता" मिशन के अंतर्गत, भारत ने एक वर्ष के भीतर अपने लक्ष्य का 75 प्रतिशत हासिल कर लिया है। 4-जी संपन्नता परियोजना के अंतर्गत नियोजित 17,000 टावरों में से लगभग 13,000 पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं।

कैसरबाग पुलिस का सर्च आपरेशन जारी कुछ घंटो में अभियुक्ता गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट अमरेन्द्र कुमार सेंगर के दिशा-निर्देशन में काम कर रही थाना कैसरबाग पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 12 घण्टे के अंदर चोरी के आभूषण सहित एक अभियुक्ता को किया गिरफ्तार गिरफ्तारी में बरामद आभूषण की कीमत करीब 7 लाख रुपये बताई जा रही है पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर, पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी), अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी), सहायक पुलिस आयुक्त कैसरबाग लखनऊ व प्रभारी निरीक्षक कैसरबाग अंजनी कुमार मिश्र के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए एक अभियुक्ता को किया गिरफ्तार कैसरबाग पुलिस ने अभियुक्ता साक्षी सागर पत्नी आशुतोष चौधरी निवासिनी मकान मालिक महेश चौरसिया थाना हुसैनगंज लखनऊ को गिरफ्तार किया पुलिस द्वारा पकड़ी गई अभियुक्ता के पास से चैन 11.420 ग्राम, मंगलसूत्र 11.340 ग्राम, दो अंगूठी 09.860 ग्राम, ईयरिंगस 03 ग्राम (कीमती करीब 7 लाख) रुपये सोने के किमती जेवरात बरामद किया पुलिस ने अभियुक्त को किराये के मकान से अभियुक्ता को थाना कैसरबाग लखनऊ से किया गिरफ्तार अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 आदित्यनाथ उपाध्याय, उ0नि0 गौरव बाजपेई, उ0नि0 प्रशान्त कुमार, उ0नि0 चंदन कुमार मिश्रा, का0 राहुल, का0 ध्रुव कुमार, म0का0 शीतल कि रही अहम भूमिका।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने चंडीगढ़ में 6 दिसंबर से शुरू होने वाले 4 दिवसीय भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2025 के पूर्वावलोकन (कर्टेन रेजर) का अनावरण किया, इसे विज्ञान और नवाचार का उत्सव बताया

आईआईएसएफ 2025 'विज्ञान से समृद्धि - आत्मनिर्भर भारत' पर केंद्रित होगा, जिसमें भारत के नवाचार, आत्मनिर्भरता और ज्ञान परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा

आईआईएसएफ 2025 आत्मनिर्भर भारत से लेकर जैव-अर्थव्यवस्था तक पांच विषयों पर प्रकाश डालेगा; क्षेत्र-विशिष्ट नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री मोदी के हर बड़े संबोधन - स्वतंत्रता दिवस के भाषणों से लेकर नीतिगत घोषणाओं तक - ने राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए एक मजबूत संदेश दिया है

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) जैसी पहल राज्यों के विश्वविद्यालयों और संस्थानों को सहायता प्रदान करके अनुसंधान निधि का लोकतंत्रीकरण करेगी

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2025 का कर्टेन रेजर लॉन्च किया। उन्होंने इसे "विज्ञान का उत्सव" बताते हुए कहा कि यह देश की बढ़ती वैज्ञानिक खोज और नवाचार की भावना का पूरक है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह महोत्सव भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा और विज्ञान-आधारित प्रगति में अधिक जन भागीदारी को प्रेरित करेगा।

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 6 से 9 दिसंबर, 2025 तक आयोजित होने वाला यह महोत्सव वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नवप्रवर्तकों और छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में भारत की प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए एक साथ लाएगा। इस वर्ष के संस्करण का विषय "विज्ञान से समृद्धि - विज्ञान से समृद्धि" होगा, जिससे सरकार के राष्ट्रीय विकास और आत्मनिर्भरता के लिए विज्ञान पर जोर का पता चलता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत वैज्ञानिक रचनात्मकता और तकनीकी नवाचार में अपने सबसे गतिशील चरण का गवाह बन रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री के हर बड़े संबोधन - स्वतंत्रता दिवस के भाषणों से लेकर नीतिगत घोषणाओं तक - ने राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित करते हुए एक मजबूत संदेश दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान से समृद्धि' विषय भारत के अगले विकास चरण का सार प्रस्तुत करता है, जो प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता द्वारा संचालित होगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता की ओर भारत की प्रगति आयात पर निर्भरता को कम करने और जीवन विज्ञान, कृषि, ईंधन और ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में घरेलू क्षमता को मजबूत करने पर निर्भर करती है।

आईआईएसएफ 2025 पांच व्यापक विषयों पर केंद्रित होगा - विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उत्तर-पश्चिम भारत एवं हिमालयी क्षेत्र का पारिस्थितिकी; समाज और शिक्षा के लिए विज्ञान; विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत; जैव प्रौद्योगिकी और जैव-अर्थव्यवस्था; और आधुनिक विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान का एकीकरण। डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार, यह आयोजन ऐसे क्षेत्र-विशिष्ट नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए जम्मू, चंडीगढ़ और हिमालयी क्षेत्र के संस्थानों को एक साथ लाएगा, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं।

एक अन्य आगामी सम्मेलन ईएसटीआईसी कॉन्क्लेव के लिए हाल में हुए कर्टेन रेजर का उल्लेख करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह कॉन्क्लेव विज्ञान के अध्ययन पर केंद्रित था, आईआईएसएफ खोज और प्रेरणा के आनंद का प्रतीक है। उन्होंने कहा, "दोनों आयोजन एक-दूसरे के पूरक हैं - आप यह जानने के लिए अध्ययन करते हैं कि किसका जश्न मनाना है, और आप और अधिक अध्ययन करने के लिए प्रेरित होने के लिए जश्न मनाते हैं।"

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) जैसी पहल राज्यों के विश्वविद्यालयों और संस्थानों को समर्थन देकर अनुसंधान निधि का फायदा व्यापक रूप से उपलब्ध कराएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि नवाचार अब पारंपरिक उत्कृष्टता केंद्रों तक ही सीमित न रहे। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को अत्याधुनिक आधुनिक विज्ञान के साथ मिश्रित करने की भारत की अद्वितीय क्षमता पर भी जोर दिया और कहा कि यह तालमेल देश की सबसे बड़ी वैज्ञानिक शक्तियों में से एक है।

छात्रों, स्टार्ट-अप्स और नागरिकों से चार दिवसीय कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने का आ'ान करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस महोत्सव में वैज्ञानिक प्रदर्शनियां, व्यावसायिक बैठकें, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जो प्रयोगशालाओं और समाज के बीच की दूरी को पाटेंगे। उन्होंने कहा, "यह आयोजन भारत के वैज्ञानिक संदेश को प्रयोगशाला से भूमि तक और नवाचार से आत्मनिर्भरता तक पहुंचाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।"

इस उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिनमें पंजाब विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. रेनू विज; जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. राजेश एस. गोखले; सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वी; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन; परमाणु ऊर्जा विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार मोहंती; आईआईटीएम पुणे के निदेशक डॉ. ए. सूर्यचंद्र राव; और विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव डॉ. शिव कुमार शर्मा आदि शामिल थे।

2015 में शुरू किया गया भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, वैज्ञानिक सोच और विज्ञान में जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए देश के सबसे बड़े मंचों में से एक बन गया है। 2025 के संस्करण का उद्देश्य यह प्रदर्शित करके इस दृष्टिकोण को और मजबूत करना है कि कैसे विज्ञान और नवाचार भारत की सतत समृद्धि की यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने 17 अक्टूबर, 2025 को देहरादून में उत्तराखंड एआई इम्पैक्ट समिट 2025 का उद्घाटन किया

उत्तराखंड ने जिम्मेदार और समावेशी एआई विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए पूर्व-शिखर सम्मेलन की मेजबानी की

हम विश्व स्तरीय अभिकलन क्षमता को एक डॉलर प्रति घंटे से भी कम में उपलब्ध करा रहे हैं : श्री जितिन प्रसाद

(जीएनएस)।

उत्तराखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने केन्द्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया एआई मिशन के सहयोग से 17 अक्टूबर, 2025 को देहरादून के होटल रमाडा में उत्तराखंड एआई इम्पैक्ट समिट 2025 का आयोजन किया। यह इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का एक आधिकारिक पूर्व-शिखर सम्मेलन है, जो 19-20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाला है।

उत्तराखंड सरकार के आईटी विभाग और इंडिया एआई मिशन, एमईआईटीवाई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद ने किया और इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सचिव श्री नितेश कुमार झा; इंडिया एआई मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निदेशक श्री मोहम्मद वाई सफिरुल्ला; यूसीओएसटी के महानिदेशक डॉ. दुर्गेश पंत; यूपीईएस, देहरादून के कुलपति प्रो. राम शर्मा; एनआईसी के एसआईओ श्री संजय गुप्ता और एनआईसी मुख्यालय के एआई प्रभाग की डीडीजी और एचओजी श्रीमती शर्मिष्ठा दास भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए श्री जितिन प्रसाद ने कहा, "पिछली शताब्दी के लिए परमाणु प्रौद्योगिकी जो मायने रखती थी, वही इस शताब्दी के लिए एआई है, लेकिन इस बार, भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि यह अवसर सभी के लिए हो।

हम एक डॉलर प्रति घंटे से भी कम की लागत पर विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग शक्ति उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे अनुसंधान, नवाचार और जन कल्याणकारी बदलाव संभव हो रहा है। कुंभ के एआई प्रबंधन से लेकर शासन और शिक्षा में बदलाव तक भारत यह दिखा रहा है कि जो कभी असंभव लगता था, वह अब संभव है। यही है नया भारत - आत्मविश्वास से भरा, सक्षम और प्रभावकारी प्रौद्योगिकी के उपयोग में दुनिया का नेतृत्व करने वाला।"

उत्तराखंड सरकार के आईटी सचिव श्री नितेश कुमार झा ने इसमें और जोड़ते हुए कहा, "हम नियमित रूप से एआई का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन केन्द्र सरकार और हमारे राज्य का व्यापक उद्देश्य केवल एआई का उपयोग करना नहीं, बल्कि एआई का निर्माण करना है। आइए, हम एआई के निमार्ता बनें। हमने एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है और पहला ड्रोन अनुप्रयोग केंद्र भी स्थापित किया है, जहाँ हम ड्रोन प्रौद्योगिकी में एआई को एकीकृत कर रहे हैं। इसके लिए, हमें इस वर्ष माननीय प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है।"

शिखर सम्मेलन-पूर्व कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की, आईआईएम काशीपुर, टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज, यूपीईएस और एसटीपीआई देहरादून जैसे प्रमुख संस्थान एक साथ आए। इसमें आईआईएम काशीपुर और एसटीपीआई देहरादून द्वारा समर्थित एआई-आधारित स्टार्टअप्स द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें शासन, उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव में एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया।

टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज के कंट्री डायरेक्टर श्री विवेक अग्रवाल द्वारा संचालित एक पैनल चर्चा में श्रीमती शर्मिष्ठा दास, डीडीजी और एचओजी, एआई डिवीजन, एनआईसी मुख्यालय; डॉ. सफल बत्रा, सीईओ, एफआईईडी, आईआईएम काशीपुर; डॉ. दुर्गेश पंत, महानिदेशक, यूसीओएसटी, जीओयूयूके; प्रो. राम शर्मा, कुलपति, यूपीईएस, देहरादून और डॉ. आजम अली, सीईओ, टीआईडीईएस, आईआईटी रुड़की शामिल थे। इस सत्र ने एआई के विकसित परिदृश्य का पता लगाया और युवाओं में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इसने छात्रों को जमीनी स्तर पर जाने, मूल कारणों को समझने और वास्तविक सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले विचारों को डिजाइन करने के लिए प्रोत्साहित करने के महत्व पर प्रकाश डाला। चर्चा में उत्तराखंड में सार्वजनिक हित के लिए जिम्मेदार और कुशल एआई अपनाने को मजबूत करने हेतु शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स और नीति निमार्ताओं के बीच गहन सहयोग का भी आ'ान किया गया।

उत्तराखंड एआई इम्पैक्ट समिट 2025 ने इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए मंच तैयार किया, जो ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई फोरम होगा। वैश्विक एआई एजेंडे को आकार देने में भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाते हुए यह शिखर सम्मेलन "सभी के लिए एआई" के राष्ट्र के विजन पर आधारित है। इसका उद्देश्य यह सामाजिक समावेशन, नवाचार और बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ावा देने के लिए एआई की शक्ति का उपयोग करने है, जिससे न्यायसंगत, संधारणीय और जन-केंद्रित एआई विकास के लिए एक वैश्विक समर्थक के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हो सके।

इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के बारे में

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित किए जाने वाला इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 नई दिल्ली में 19-20 फरवरी, 2026 को आयोजित किया जाएगा।

यह वैश्विक मंच समावेशी विकास, स्थिरता और न्यायसंगत प्रगति को सक्षम करने में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है। यह शिखर सम्मेलन एक ऐसा मार्ग का निर्धारण करता है जहां एआई मानवता की सेवा करता है, समावेशी विकास को आगे बढ़ाता है, सामाजिक विकास को बढ़ावा देता है और ऐसे नवाचारों को प्रोत्साहित करता है जो हमारी पृथ्वी की रक्षा करते हैं।